an>

Title : Submission regarding derogatory remarks made by a member outside the Parliament against the Prime Minister.

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदया, मेरे पास कौल और शकदर से लेकर सुभाष कश्यप सहित सभी के उदाहरण हैं। अगर कल्याण बनर्जी बड़ा दिल दिखा रहे हैं तो हम उसका स्वागत करेंगे, लेकिन उन्हें स्पष्ट शब्द में कहना चाहिए, उन्होंने क्या-क्या शब्द उपयोग किया है, लाल बहादुर शास्त्री जी के पोते के बारे में, प्रधानमंत्री के बारे में, "भागो" इस प्रकार की भाषा, स्पष्ट शब्दों में, एक वाक्य में माफी मांगनी चाहिए कि मुझे इस बात का खेद है, सदन मुझे क्षमा करें। हम स्पष्ट माफी की मांग करते हैं। एक वाक्य में माफी मांगी जाए।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : महोदया, मैंने सोचा कि माननीय सदस्य खड़े होकर आपत्तिजनक भाषण को वापस करेंगे, पश्चाताप व्यक्त करेंगे, इस विषय को यहीं समाप्त करेंगे। मगर दुर्भाग्यपूर्ण विषय है कि वह टेक्निकल इश्यूज़ रेज करके जो बाहर बोला, वह चर्चा सदन का चर्चा का विषय नहीं होना चाहिए, क्या करना है, क्या नहीं करना है, यह सदन तय करता है, माननीय अध्यक्ष तय करते हैं। दूसरा, किसी ने ऐसा कुछ बोला ऐसा कहना अच्छा नहीं है। मेरा कहना है कि पूरा देशवासी ने इसको देखा है, आप चाहें तो रिकार्ड देखें, बाहर क्या हुआ वह एक बात है, जो अंदर हुआ, प्रधानमंत्री जी के बारे में किस तरह का नारा दिया, किस तरह का शब्द का प्रयोग किया, उसको रेफर कीजिए, हाऊस में जिस तरह का नारा दिया, प्रधानमंत्री जी को संबोधित करते हुए किस तरह का नारा दिया, हाउस में नाच किया, वह पूरा देशवासियों ने देखा। यह बहुत ही गंभीर मामला है, यह केवल एक पार्टी या व्यक्ति की समस्या नहीं है। यह पूरे देश और सदन की मर्यादा और गरिमा की समस्या है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी केवल एक व्यक्ति नहीं हैं, इस देश के नेता हैं और चुने हुए प्रधानमंत्री हैं। यह बहुत ही गंभीर मामला है। हम दलगत राजनीति से उठकर समन्वय भाव से विषय के बारे में विचार व्यक्त करके आगे बढ़ना ही एकमात्र विकल्प है। बाहर किसी ने कुछ बोला, उसके बारे में यहां इश्यू उठाया, हमने चर्चा किया, मंत्री आकर खुद माफी मांगा, पश्चाताप व्यक्त किया, मगर आपने वह काम नहीं किया। आप चाह रहे हैं कि आम भाषण देकर, किसी के ऊपर आरोप लगाकर, अभी भी आपने आरोप लगाया, किसी ने ऐसा किया इसलिए मैंने ऐसा किया। यह स्वीकार नहीं होगा। आप रिकार्ड मंगवाइए, केवल प्रिंटेड रिकार्ड नहीं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन और जो लोक सभा चैनल ह,ै उसमें क्या-क्या नारा दिया है प्रधानमंत्री के बारे में, उसको एक बार आप देख लीजिए। इसे देखने के बाद निर्णय कीजिए। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैंने कल भी कहा कि यह किसी व्यक्ति, किसी पार्टी के बारे में नहीं है, मैं संसदीय मंत्री होने के नाते कह रहा हूं कि जो हुआ है, यह गंभीर मामला है। इस सिचुएशन में सब सदस्य उत्तेजित हैं। सौगत राय जी बहुत सीनियर हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सब लोग क्यों बोल रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : पप्पू जी, आप बैठिए। आप इसमें मत पड़िए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या हो रहा है? क्या यह इतनी छोटी बात है? क्या सबको बोलने की आवश्कता है?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर हम पर विश्वास है तो ज़रा चुप रहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: प्लीज़ बैठकर न बोलें।...(व्यवधान) सुदीप जी भी मंत्री रहे हैं, बहुत अनुभवी हैं। सौगत जी बहुत साल से राजनीति में रहे हैं। बंगाल में लोग इन्हें एक मॉडल लेजिसलेटर के नाते जानते हैं। फाइटर हैं, वहां से यहां आए हैं। अभी विपक्ष में हैं, यह अलग बात है लेकिन कल तक सत्ता पक्ष में थे। मेरा दोबारा सुझाव यह है कि सदस्य बशर्ते आपत्तिजनक वक्तव्य वापस ले और पश्चाताप व्यक्त करे ताकि हम इस विषय को छोड़कर आगे बढ़ें। नहीं, वह कंटेस्ट करना चाहते हैं, तो मेरा सुझाव है कि पूरा रिकॉर्ड मंगवाया जाए कि हाउस में क्या हुआ। उन्होंने क्या बोला, माननीय प्रधानमंत्री के बारे में क्या नारा दिया, बाहर लाल बहादुर शास्त्री जी के बारे में क्या बोला, इसका पूरा प्रिसिडेंट्स हाउस और हाउस के बाहर हैं।

Khargeji we are also agitated. We also have our own feelings....(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : You can speak. Thereafter I will speak....(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: No, if you stand, I cannot speak. I have respect for you. That is my problem....(*Interruptions*) If you stand then I will sit down.â€¦ (*Interruptions*) हर एक विषय हंसने का नहीं होता है। वे सीनियर हैं, उनके सामने मैं क्या हूं, मैं क्या बताऊं। मैं कल पूरी रात कॉल एंड शकदर और सुभाष कश्यप जी की पुस्तक पढ़ता रहा। मेरे पास पूरी डिटेल है, पहले क्या हुआ, सब मेरे पास है। इस सबका अध्ययन करने के बाद मैं इस निर्णय पर आया कि हम कुछ ऐसा कठोर निर्णय न करें इसलिए बेहतर होगा कि वह सदन में पश्चाताप व्यक्त करें। मैं आपके द्वारा उनको और पूरे सदन को रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि वह अपना वक्तव्य वापस लें और पश्चाताप व्यक्त करें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :प्लीज़ बैठकर कोई न बोले।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: सुल्तान अहमद जी, आप शांत रहिए।

माननीय अध्यक्ष : कोई भी बैठकर कमैंट्स न करे। यह विषय हलका तो है नहीं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: My friend Mohd. Salim wants to provoke me. I will definitely get provoked once if justice is not done. As a Parliamentary Affairs Minister, it is my first duty to get the justice done and get the issue resolved. At the same time I am also a citizen of this country. If somebody calls my Prime Minister by name in the House and gives slogans and then says something outside that ..* we cannot accept this and even this country cannot accept this. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, इसे सॉल्व करने के लिए सुझाव दीजिए। नहीं तो यह विषय कभी समाप्त ही नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : माननीय अध्यक्ष जी, इस समस्या को सॉल्व करने के लिए आपने ही हल दिया था और यह समाप्त हुई थी। लेकिन मुझे मालूम नहीं हो रहा है कि क्यों दोबारा इस इश्यू को वैंकैय्या नायडू जी ने फिर उछाला है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह मुझे पूछ रहे हैं, प्लीज़ आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. किरीट सोमैया :यह आपत्तिजनक वाक्य है, इसे रिकार्ड में से निकाला जाना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :प्लीज़ बैठिए। यह क्या हो रहा है? प्लीज़ बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. किरीट सोमैया : यह वाक्य आपत्तिजनक है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इनकी पूरी बात समझिए। मैंने इनको अलाऊ किया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई नहीं बोलेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसे क्यों उछाला गया, यह मुझे मालूम नहीं है। चुनाव के वक्त जब कभी भी बाहर बातें कही जाती हैं या कोई भी सदस्य सदन के बाहर बात कहते हैं तो अवसर इस सदन में उसकी चर्चा नहीं होती है।...(व्यवधान)

श्रीमती किरण खेर (चंडीगढ़) : आपने क्यों उनके बारे में कहा था?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज सब लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री खड़गे जी, आप अपनी बात जल्द पूरी करें।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सदन के बाहर जो बातें होती हैं, उसका उत्तर-प्रति उत्तर हर पार्टी के लोग देते हैं। वैसे ही एक सदस्य ने दिया, उन्होंने जो सारी बातें बोली हैं, मैं उनका समर्थन नहीं कर रहा हूँ, लेकिन जो चीज आउट साइड ऑफ दी हाऊस होता है, उसको यहाँ लाकर आप शिक्षा देना चाहते हैं। ...(व्यवधान) यह कानून के मुताबिक नहीं है। ...(व्यवधान) अगर इस सदन में कुछ कहा जाए तो उसके खिलाफ आप ऐक्शन ले सकते हैं, यह आपका अधिकार है। ...(व्यवधान) लेकिन सदन के बाहर के लिए, यदि आपने एक बार आपने प्रिसिडेंस क्रिएट किया तो ऐसे बहुत सारे उदाहरणों को इस हाऊस में लाना पड़ेगा और यदि इस हाऊस में उसकी चर्चा हो गयी तो वह एक बैड प्रिसिडेंस होगा। ...(व्यवधान) इसीलिए आपको अधिकार है। यदि मैं अनपार्लियामेंट्री मिसबिहैव करता हूँ तो आप मुझे शिक्षा दे सकती हैं, अगर श्री कल्याण जी यहाँ पर कुछ बोले हैं, यदि वह अनपार्लियामेंट्री है, आप उसे निकालकर देखें, लेकिन बाहर के भाषणों या वक्तव्यों पर यहाँ चर्चा करने बैठेंगी तो ठीक नहीं होगा। ...(व्यवधान) इसलिए आप ऐसी प्रथा मत डालिए। आपको इस विषय को सुलझाना है, इसलिए इसे खत्म कर दीजिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सब लो शांत रहिए या सब लोग एक्सपर्ट बन जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैं पूरी तरह से श्री खड़गे जी से सहमत हूँ। जो विषय बाहर उठते हैं, साधारणतः उस पर सदन में चर्चा नहीं होती है। मगर आपने शुरुआत की है।...(व्यवधान) आप लोगों ने नोटिस दिया, हंगामा किया, फिर यहाँ चर्चा हो गयी, आपने उसे क्लोज़ कर दिया, आपने स्वीकार कर किया...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : She is a Minister. Do not compare that with this. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: He is a Member of Parliament. A Member of Parliament is a Member of this House. Try to understand that. ...(*Interruptions*)

The Minister was civilized enough to understand her mistake and then he came and apologized without any condition. The Prime Minister gave a clarification. Here, the hon. Member is a Member of this House. That is the first point.

Madam, the second point is this. Please understand that the notice is not only about what has happened and what has been said outside the House but also about what has been said inside the House, what has been done inside the House. If the Congress Party leader wants to have some details about that and if he has not seen that day what has happened in the House, which also can be made available to the senior Leader of the Congress Party. I have no problem on that.

My point is that जो सदन में हुआ, जिस तरह का व्यवहार हुआ, जिस तरह से नारा लगाया, जिस तरह की आपत्तिजनक व्याख्या प्रधानमंत्री जी के बारे में की गयी, इसके बारे में और जो बाहर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के बारे में बोला गया, उसके बारे में आपत्ति है, इसीलिए यह विषय गंभीर है, यह कोई बाहर और अन्दर की समस्या नहीं है। मेरे पास प्रिसिडेंस हैं, बाहर के विषय पर भी यहाँ चर्चा की गयी है, अभी-अभी लेटेस्ट प्रिसिडेंस हमने देखा है, इसलिए खड़गे वह विषय नहीं है, मैंने सोचा आप इतने सीनियर लीडर हैं, आप कम से कम इस स्टेटमेंट की निन्दा करते, आपने वह किया नहीं,...(व्यवधान) मैं मानता हूं कि आपके अध्यक्ष श्री अधीर रंजन चौधरी जी आज इस सदन में उपस्थित नहीं हैं, मगर उन्होंने वक्तव्य दिया, उन्होंने इसका खंडन किया, उन्होंने अच्छा किया, मैं उनका अभिनन्दन करता हूँ। मगर सदन में चर्चा होती है और आप भी पार्टी के नेता हैं, यदि आप भी उससे डिस्टेंस करके, बाद में मुझे कुछ सलाह देंगे, तो मैं जरूर उसे स्वीकार करूंगा। इसलिए मेरा कहना यह है कि बाहर जो किया, अन्दर जो किया, इन सब के बारे में यदि आपके मन में या किसी के मन में कोई शंका है तो एक बार इसके बारे में अध्ययन करने के लिए, इसके बारे में इंक्वायरी करने के लिए आपके पास सिस्टम है, आपको रूल्स मालूम है, उसके हिसाब से आप आगे बढ़िए, तभी न्याय होगा अन्यथा इस समस्या का समाधान नहीं होगा, यह एक परम्परा बन जाएगा, फिर लोग ऐसा ही करते रहेंगे और कोई कुछ करने वाला नहीं है, ऐसा सोचेंगे। इसलिए यह मैसेज़ जाना देश के लिए अच्छा नहीं है और पार्लियामेंट के लिए भी अच्छा नहीं है। We are all concerned about the dignity, decorum and standards of Parliament set by many people. I have quotations right from the former Presidents to the Presiding Officers. All quotations are there. I do not want to take the time of the House. Shri Kharge ji has intervened now. Otherwise, I would not have even gone to that extent also. Keeping that in mind, Madam Speaker, you please allow Dr. Kirit Somaiya to complete his submission and

then whatever appropriate action you think that is fit, you take and we will go by the Chair. Madam, if you want to refer it to the Committee, let it be referred to the Committee. Let the House decide and then move forward.

माननीय अध्यक्ष : श्री मुलायम सिंह यादव जी, आप कुछ कहना चाहते हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष जी, जो बाहर बोला गया है या अंदर बोला जाता है, हम लोगों को ऐसा नहीं बोलना चाहिए, इससे मैं सहमत हूं क्योंकि हम लोग एक आदर्श हैं। पूरा देश सुन रहा है। हमें एक आदर्श कायम करना चाहिए, इससे मैं सहमत हूं, लेकिन जिस तरह से आज सत्तापक्ष के लोग निकलकर यहां आए। बहुत दिन मैं भी यहां रहा हूं, 11 बार विधान सभा चुनाव जीता हूं, असेंबली में रहा हूं, छठवीं बार आपके सामने आया हूं, सत्तापक्ष का यह माहौल पहली बार देखा है, विपक्ष ऐसा करता है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, आप देख लीजिए, यह सत्तापक्ष है। हम लोगों को पूरा देश सुन रहा है। हम लोग ऐसा बोलें, ऐसा कहें, चाहे सदन के बाहर हों या अंदर हों, जिससे आदर्श कायम करें ताकि आने वाली पीढ़ी हमारा अनुसरण करे। ऐसी भाषा बोलनी चाहिए, ऐसा कहना चाहिए, यह मैं मानता हूं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि सत्तापक्ष की नाराजगी बड़ी नुकसानदायक हो सकती है। हम चाहे जितने नाराज हों, सत्तापक्ष का कुछ नहीं बिगड़ता है, लेकिन अगर आप इतने नाराज होंगे, हमलावर होंगे तो हमारा बहुत नुकसान हो जाएगा। आप पावर में हैं, आपके पास ताकत है, आप के पास शक्ति है, आप पूरे देश में राज कर रहे हैं और आप शक्तिशाली हैं। इसलिए आपको इतना गुस्सा नहीं करना चाहिए।...(व्यवधान) आपकी बात सही है, उससे मैं सहमत हूं, लेकिन जिस तरह की भूमिका यहां सत्तापक्ष ने निभाई है, उसको भी देखना चाहिए। जो इधर की भाषा है, उससे मैं सहमत नहीं हूं, लेकिन आप भी उनको सुधारिए कि हम उनसे सहमत नहीं हो सकते हैं। आप भी कहिए, इस तरह का आदर्श हम लोगों को कायम करना चाहिए, मैं इससे सहमत हूं।...(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE : Madam, in the morning, you had called me in your Chamber. I must appreciate that in a very motherly attitude, you had told me everything. Thereafter, I consented before you as to what extent I can speak. What I had said to you there, I have spoken it here.

Madam, since you are the custodian of this House, since you are making the statement from this Chair, to respect your Chair, if I have hurt anybody's sentiments, I express my regret.

HON. SPEAKER: Thank you very much. अब शून्यकाल थोड़ी देर करें। सब लोग रिलैक्स हो जाओ, कोई ऐसी बड़ी टेंशन की बात नहीं है।